प्रभात खबर | कोलकाता, शनिवार 17 मार्च, 2012

बजट पर प्रतिक्रियायें

'बजट में आम लोगों की अनदेखी की गयी है, महंगाई बढ़ेगी.'
- **शंभु चौधरी,** सामाजिक कार्यकर्ता.

'श्रमिकों, वरिष्ठ लोगों व महिलाओं के लिए कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं है.'
-**एनसी दे,** मीडिया सचिव, भारतीय मजदूर संघ.

'नेशनल स्किल डेवलपमेंट कारपोरेशन को 1000 करोड़ आवंटित करने, खाद्य प्रक्रिया में राष्ट्रीय मिशन की शुरुआत, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कर-मुक्त दोगुना करके 60,000 करोड़ किया जाना एक सकारात्मक व प्रगतिकारक कदम है.'
-**शिवबर्द्धन गोयनका,** अध्यक्ष, इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स.

'कोरूगेटेड बॉक्स इंडस्ट्रीज को केंद्रीय बजट से कुछ नहीं मिला. राहत की कमी से आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ेंगी.'
-**भारत केडिया,** अध्यक्ष, इस्टर्न इंडिया कोरूगेटेड बॉक्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन.

'यह बजट अर्थव्यवस्था को बेहतर करने का अवसर से चूक गया है, हालांकि निवेश का माहौल बनाने, बुनियादी ढांचे की अग्रगति तथा कालेधन पर अंकुश को लेकर वित्तमंत्री ने कुछ प्रयास किया है.'
-**आरके सेन,** महानिदेशक, एमसीसी चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री.